डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 258 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 02 जुलाई 2024 | मूल्य 2 रुपया

आवश्यकता है

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

कार्यालय में ऑफिस बॉय की आवश्यकता है।

वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

प्रहरी कैसे करेगा नशे पर प्रहार?

स्कूलों के पास धड़ल्ले से बिक रहे तंबाकू उत्पाद, दुकानों में बिक्री के लिए टंगे देखे जा सकते है गुटखा पाउच

मंदसौर, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। स्कूलों और स्कूली बच्चों को नशे से दूर रखने के लिए प्रहरी क्लब गठन को लेकर निर्देश जारी किए गए है। इसमें क्लब को यह ध्यान रखना होगा कि स्कूली बच्चे तंबाकू, सिगरेट या किसी भी तरह के नशे से दूर रहे। लेकिन, यह प्रयास पहले भी निर्देशों तक ही सीमित रह गए। नियमानुसार स्कूल परिसर से सौ मीटर के दायरे में तंबाकू उत्पादों के बेचने पर प्रतिबंध है। लेकिन, अधिकांश स्कूल के आसपास लगी गुमटियों, दुकानों, रेस्टोरेंट और ठेलों पर तंबाकू उत्पादों की खुलेआम बिक्री हो रही है। इसे लेकर न प्रशासन ने कोई गंभीर कदम उठाया और न ही शिक्षा विभाग ने। मंदसौर शहर की बात करें तो महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल, नूतन स्कूल, उत्कृष्ट स्कूल, हायर सेकंडरी स्कूल के बाहर धड़ल्ले से तंबाकू उत्पाद बिक रहे हैं। यह स्कूल सिर्फ एक उदाहरण है। शहर के कई स्कूलों के साथ जिले के अन्य स्कूलों के भी यही हाल है।

शहर सहित जिले में शैक्षणिक संस्थानों के आसपास गुटखा-सिगरेट की दुकानें शासन के आदेश को धता बताकर संचालित की जा रही है। जिसका स्कूली विद्यार्थियों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इधर जानकारी के बाद भी जिम्मेदारों की और से ऐसी दुकानों के खिलाफ कार्रवाई का अभाव है। जबकि, शासन का आदेश है कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान के सौ मीटर के दायरे में मादक पदार्थ, पान-गुटखा की दुकानों का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई का प्रविधान है। लेकिन, कतिपय दुकान संचालको द्वारा फिर भी ऐसा बेखौफ किया जा रहा है। जिन पर कार्रवाई करने वाले ही उदासीन हैं। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में स्कूलों के आसपास ऐसी कई दुकानें संचालित हो रही हैं। इन दुकानों के नहीं हटने से स्कूली बच्चों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसे लेकर कई बार शिकायत भी दर्ज कराई जाती हैं। इसके बावजूद भी अनदेखी की जा रही है। कई बार तो छात्रों को बीड़ी, सिगरेट, पान मसाला गुटखा खरीदते हुए भी देखा जा सकता है। मजेदार बात तो यह है कि छात्र ही नहीं शिक्षक भी गुटखा चबाते हुए नजर आते हैं। गुमटियों पर चाय व नाश्ता के साथ ही बीड़ी-सिगरेट, गुटखा व मसाला की बिक्री की जा रही है।

कोटपा एक्ट के पालन में कोताई...

नशे पर प्रतिबंध लगाने के लिए शासन ने कोटपा एक्ट का नियम लागू किया है। लेकिन, इसका पूरा पालन नहीं हो पा रहा है। लंबे समय से प्रशासन द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर गुटखा, तम्बाकू और सिगरेट का सेवन करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। इधर स्कूल परिसर के आसपास तो ऐसी सामग्री का विक्रय प्रतिबंधित है। लेकिन, बाजार में भी अब किराना, स्टेशनरी और कंफेक्शनरी दुकानदार भी तंबाकू सामग्री के पाउच, गुटखा आदि पूरी तरह सुसज्जित कर टांगे रहते हैं। जिन पर भी कार्रवाई नहीं होती।

यह कहता है नियम...

स्कूलों और सरकारी कार्यालयों को तंबाकू मुक्त घोषित करने के लिए सभी निर्देशों का कढ़ाई से पालन कराने नियम बनाए गए हैं। इसमें बच्चों को तंबाकू की पहुंच से दूर रखने के लिए भारत सरकार के तंबाकू नियंत्रण अधिनियम, सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 की धारा 4 एवं 6 के तहत तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान सुनिश्चित करने की व्यवस्था है। धारा 4 के तहत शिक्षण संस्थानों सहित समस्त सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान प्रतिबंधित है। धारा 6 (ब) के तहत शैक्षणिक संस्थानों के सौ गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध एवं संस्थानों द्वारा संस्था के बाहर बोर्ड पर घोषणा पत्र प्रदर्शित करना होता है।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों के दाम घटे

मंदसौर, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। महीने की पहली तारीख को कमर्शियल गैस सिलेंडरों के दाम घट गए हैं। ऐसा इसलिए हुआ है, क्योंकि पेट्रोल-डीजल और एलपीजी सिलेंडर बेचने वाली सरकारी कंपनियों ने अपने प्राइस को अपडेट किया है।

दाम घटने के कारण ढाबा संचालकों, रेस्टोरेंट और होटल के संचालकों को कमर्शियल सिलेंडर सस्ते दामों में मिलेंगे। हालांकि, घरेलू रसोई गैस सिलेंडरों की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बता दें कि एलपीजी सिलेंडरों के दाम में 30-31 रुपए की कटौती की गई है। जो कि सोमवार से लागू कर दी गई है। यह कटौती 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलेंडरों के लिए की गई है।

घर के बाहर बैठी बच्ची को टैंकर ने कुचला

मृत्युभोज के कार्यक्रम में आया था पानी का टैंकर

नीमच, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सोमवार सुबह जिले के गांव दारूखेड़ा में एक दर्दनाक हादसा हो गया। जिसमें एक 4 साल की बच्ची की मौत हो गई। बच्ची अपने घर के बाहर बैठी थी, तब ही वहां से गुजर रहे पानी के टैंकर ने बच्ची को कुचल दिया। गंभीर हालत में परिजन

उसे बड़े अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दरअसल गांव दारुखेड़ा में पाटीदार समाज में एक बुजुर्ग के मृत्यु भोज का कार्यक्रम था। इसी दौरान बच्ची जाह्नवी धाकड़ के घर के सामने से एक पानी का टैंकर गुजर रहा था। जानकारी के मुताबिक टैंकर बेकाबू होकर दीवार से टकरा गया। यहां घर के बाहर बैठी मासूम इसकी चपेट में आ गई। वहीं नीमच के बड़े अस्पताल में बच्ची के शव का पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। मामले में पुलिस में मर्ग कायम पर जांच शुरू कर दी है।

उल्लेखनीय है कि जिन बुजुर्ग व्यक्ति राधेश्याम पाटीदार के मृत्यु भोज का कार्यक्रम दारूखेडा में रखा गया था। उनकी मौत भी 20 जून को सड़क हादसे में तब हुई थी, जब वो भी जावी गांव में आयोजित एक मृत्यु भोज के कार्यक्रम में सुबह-सुबह शामिल होने जा रहे थे। तब वे नीमच सिटी थाने के सामने ट्रक की चपेट में आ गए थे और उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी।

पुतला दहन में कुर्ते ने पकड़ी आग, हादसा टला

नर्सिंग घोटाले को लेकर गांधी चौराहा पर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

मंदसौर, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सोमवार को गांधी चौराहा पर कांग्रेस द्वारा किए गए प्रदर्शन में बड़ा हादसा होते-होते बचा। यहां पुतला दहन में शहर कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्रसिंह तोमर के कुर्ते ने आग पकड़ ली। बता दे कि नीट परीक्षा और नर्सिंग कॉलेज में घोटाले के विरोध में कांग्रेस ने प्रदेशभर में प्रदर्शन किया। सोमवार को मंदसौर जिला कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए शहर के गांधी चौराहा पर कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग का पुतला जलाया।

पुतला दहन के दौरान शहर कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह तोमत के कुर्ते में आग लग गई। कार्यकर्ताओं ने तत्काल कुर्ते में लगी आग को बुझाया। मौके पर दमकलकर्मी द्वारा पानी की बौछार की जा रही थी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। इधर, पुतला दहन की सूचना पर गांधी चौराहा पर बड़ी संख्या पुलिस बल तैनात किया गया था। गांधी चौराहा पर कांग्रेस कार्यकर्ता काफी देर तक प्रदर्शन करते रहे। इसके बाद कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय के नीचे बने कॉम्प्लेक्स से मंत्री विश्वास सारंग का पुतला ले आए और उसमें आग लगा दी। मौके पर फायर फाइटर ने पानी की बौछारे डालते हुए आग बुझाई। इसी दौरान कार्यकर्ता एक और पुतला ले आए और उसे दहन कर दिया। इस दौरान नगर अध्यक्ष के कुर्ते में आग लग गई।शहर कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि पुतला दहन के दौरान हुई छीना-झपटी में अचानक से पुतले में रखे गए घास का कुछ हिस्सा मेरे कुर्ते पर आकर गिरा, इससे कुर्ते ने आग पकड़ ली। गनीमत रही कि बड़ा हादसा नहीं हुआ। हल्की सी उनकी गर्दन झुलसी है।

चलती रही पुतले की छीना-झपटी...

पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओ के बीच कुछ देर पुतले को लेकर छीना झपटी चलती रही। कांग्रेस कार्यकर्ता पुतला दहन करने मे कामयाब रहे। पुतला दहन के दौरान शहर कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह तोमर, सोमिल नाहटा, राजेश रघुवंशी, महेंद्र सिंह गुर्जर, रूपल संचेती, अनिल शर्मा सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सुरक्षा में चूक- श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर सुरक्षा को लेकर बड़ी चूक हो रही है। श्रृद्धालु आसानी से सामान लेकर मंदिर में प्रवेश कर रहे है। इन्हें कोई रोकने टोकने वाला नहीं है। बेग स्केनर मशीन भी बंद पड़ी है। ऐसे में श्रृद्धालुओ की आड़ में आतंकी भी अंदर घुसकर उत्पात मचा दे, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। इधर पशुपतिनाथ मंदिर जाने के दो मार्ग पशुपतिनाथ लोक निर्माण के चलते बंद कर रखे है। केवल एक ही मार्ग से आना जाना हो रहा है। ऐसे में भी सुरक्षा की ओर किसी का ध्यान नहीं है।

प्रदेश में परिवहन चेक पोस्ट व्यवस्था समाप्त, अब चेकिंग प्वाइंट बनेगें..!

भोपाल, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में परिवहन विभाग की चेक पोस्ट व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया है। अब चेक पोस्ट की जगह रोड सेफ्टी एंड एनफोर्समेंट पॉइंट के रूप में चेकिंग प्वाइंट काम करेगें, इसकी मोबाइल यूनिट भी रहेगी। यह व्यवस्था राज्य सरकार ने सोमवार 01 जुलाई से लागू कर दी है। सीएम मोहन यादव के निर्देश पर परिवहन विभाग ने इस आशय के आदेश जारी कर दिए है। वहीं दूसरी ओर सीएम श्री यादव ने सभी जिलों के कलेक्टरों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए नई व्यवस्था की जानकारी देते हुए पालन कराने के लिए कहा है।

सूत्रों के अनुसार 01 जुलाई से शुरु हुई नई व्यवस्था के तहत 45 चेक प्वाइंट बनाए जाएगें, इसके लिए होमगार्ड के 211 जवानों की व्यवस्था की गई है, जो चेक प्वाइंट पर अपनी सेवाएं देगें। उन्हे नई परिवहन व्यवस्था के तहत आवंटित जिलों में पदस्थ किया गया है। होमगार्ड जवान रोटेशन में अपनी ड्यूटी करेंगे। प्रदेश में गुजरात राज्य में लागू पैटर्न के अनुसार कार्य किया जाएगा। सीएम मोहन यादव ने कहा कि परिवहन नाकों के स्थान पर मोबाइल टीम काम करेगी, चेक प्वाइंट पर पदस्थ कर्मचारी समयावधि में बदलेगा। प्रदेश के 26 जिलों में विशेष व्यवस्थाएं की जा रही है। खासतौर पर सीमावर्ती जिलों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होने यह भी कहा कि सुशासन के तहत अनेक कार्य किए जा रहे हैं। जिसके चलते परिवहन क्षेत्र में मध्यप्रदेश में कुछ बदलाव किए गए हैं। चेक पोस्ट संबंधी नई व्यवस्था शीघ्र लागू की जा रही है। 01 जुलाई से परिवहन चेक पोस्ट जो अन्य प्रांतों की सीमा हैं, वहां संबंधित जिला प्रशासन के साथ तालमेल कर वर्तमान में हो रही अव्यवस्थाओं को दूर करने और पारदर्शी व्यवस्था लागू करने का कदम उठाया गया है। परिवहन व्यवस्था के संबंध में शिकायतें प्राप्त होने पर राज्य शासन द्वारा सख्त कार्यवाही की जाएगी। नई व्यवस्था से ट्रकों और अन्य भारी वाहनों के संचालकों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

आरटीओ का साईड बिजनेस बंद!

राजपुरिया चेक पोस्ट के बोर्ड पर लग गया क्रास

मंदसौर, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सोमवार से अंतरराज्यीय सीमाओं पर परिवहन जांच चौकियां (आरटीओ चेक पोस्ट) बंद कर दी गई हैं। नई व्यवस्था के तहत रोड सेफ्टी एंड इन्फोर्समेंट चेकिंग प्वाइंट बनाए जाएंगे। पहले चरण में 45 चेक पाइंट बनाए जाएंगे। इनके तैयार होने तक मोबाइल यूनिट गठित कर वाहनों की जांच की जाएगी। मंदसौर जिले के एमपी-राजस्थान की बॉर्डर पर राजपुरिया चेक पोस्ट को बंद कर दिया गया। यहां लगे बोर्ड पर क्रास का चिन्ह बना दिया गया। मतलब शासन के निर्देशानुसार अब यहां वसूली बंद हो गई। ट्रक चालक इस फैसले से खासे खुश नजर आ रहे हैं।

ट्रक चालको का यहां तक कहना है कि 600 रुपए तक वसूली यहां होती थी। बता दें कि प्रदेश में संचालित चेक पोस्ट पर लगातार गड़बड़ी की शिकायतें मिल रही थी। जिसके बाद प्रदेश सरकार ने इन्हें बंद करने का फैसला लिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश के बाद रविवार को परिवहन विभाग ने इसके आदेश जारी कर दिए सोमवार 01 जुलाई से प्रदेश के तमाम चेक पोस्ट को बंद दिया गया है। गुजरात से ट्रक लेकर पहुंचे ट्रक चालक असलम ने बताया, खाली ट्रक के आने और जाने के लिए 600 रुपए देने पड़ते थे। यह ऊपरी कट का पैसा होता था। मुख्यमंत्री का यह बहुत बढ़िया फैसला है। ट्रक चालक बहुत परेशान थे। हर जगह रिश्वत देना पड़ती थी। आगे कैसी व्यवस्था होगी, यह तो बाद में पता चलेगा। लेकिन आज तो बहुत अच्छा किया है।

गुजरात पैटर्न पर होगी चेकिंग व्यवस्था...

मध्यप्रदेश में दूसरे राज्यों की सीमाओं से सटे क्षेत्रों में संचालित परिवहन चेक पोस्ट की जगह 45 रोड सेफ्टी एवं इन्फोर्समेंट चेकिंग पॉइंट और 94 रोड सेफ्टी एंड इन्फोर्समेंट मोबाइल यूनिट के लिए 211 होमगार्ड के जवानों की जिलेवार प्रतिनियुक्ति की गई है। होम गार्ड जवान रोटेशन में अपनी ड्यूटी करेंगे। प्रदेश में गुजरात राज्य में लागू पैटर्न के अनुसार कार्य किया जाएगा। वाहनों की ओवर लोडिंग की जांच करने के लिए मोबाइल वेइंग मशीन यानी चलित धर्म कांटे भी मंगाए जाएंगे। स्टाफ को बॉडी वॉर्न कैमरों से लैस किया जाएगा।

विचार-मंथन

जोखिम की इमारतें और आम लोगों का जीवन

भवन, पुल, सड़कों आदि के निर्माण में तकनीकी उपयोग से तेजी तो आई है, ढांचे मनोहारी बनने लगे हैं, मगर उनकी मजबूती और टिकाऊपन को लेकर अक्सर सवाल उठते रहते हैं। अब शायद ही कोई वर्ष बीतता हो, जब बरसात में पुलों, सड़कों, नवनिर्मित भवनों के धंसने, ढहने की खबरें न आती हों। ताजी घटना दिल्ली के इंदिरा गांधी हवाई अड्डे के टर्मिनल-एक की है, जहां गाड़ियों के ठहराव वाली जगह की छत ढह गई, जिसमें कई गाड़ियों को नुकसान पहुंचा, एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई घायल हो गए। बताया जा रहा है कि बारिश की वजह से छत बैठ गई। यह तो इस मौसम की पहली बारिश थी, अभी पूरा मौसम बाकी है, इसलिए हवाई अड्डे की दूसरी छतों को लेकर भी लोगों में आशंका पैदा होना स्वाभाविक है। दरअसल, हवाई अड्डे की छत लोहे के खंभे खड़े कर सिंथेटिक और लोहे की पतली चादरों से बनाई गई है। इस तरह जगह तो काफी खुली हो गई है और सुंदर भी दिखती है, मगर इसके टिकाऊपन को लेकर कोई दावा करना मुश्किल है। यह कोई पहली इमारत नहीं है, जिसमें इस निर्माण कला का उपयोग किया गया है। अब बहुत सारी सार्वजनिक जगहों पर जल्दी काम पूरा करने के मकसद से यही तकनीक इस्तेमाल होने लगी है। दरअसल, भवन निर्माण में कांच, लोहे, सिंथेटिक चादरों वगैरह का इस्तेमाल काफी तेजी से बढ़ा है। इस तरह इमारतें जल्दी तैयार हो जाती हैं, मगर न तो यह भारतीय प्रकृति के अनुकूल है और न इन्हें लंबे समय तक टिकाऊ माना जा सकता है। लोहे के खंभों को नट-बोल्ट से जोड़ कर बनाए गए ढांचे की समय-समय पर मरम्मत जरूरी होती है, जिसका प्रायः अभाव देखा जाता है। बहुत सारी इमारतें, सड़कें और पुल सरकार के दबाव में जल्दी तैयार कर दिए जाते हैं, इस वजह से भी इमारतें जोखिम भरी साबित होती हैं। दिल्ली हवाई अड्डे पर हुई घटना के कुछ घंटे पहले मध्यप्रदेश के जबलपुर में भी हवाई टर्मिनल की नई इमारत की छत का एक हिस्सा बारिश की वजह से एक गाड़ी पर गिर गया। बारिश शुरू होते ही बिहार में कई पुल बह गए। पिछले कई वर्षों से मध्यप्रदेश, बिहार आदि में पुलों के बाढ़ में बह जाने, सड़कों के धंस या बह जाने की खबरें आती रही हैं। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जब इमारतें जल्दी तैयार करने की हड़बड़ी में उनकी जल निकासी, छतों की मजबूती आदि पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया और बरसात शुरू होते ही उनकी पोल खुल गई। यह समझना मुश्किल है कि तकनीकी इस्तेमाल से जहां निर्माण कार्यों में मजबूती आनी चाहिए, वे इतने भुरभुरे क्यों साबित हो रहे हैं कि बारिश का हल्का दबाव भी झेल नहीं पा रहे। इसकी एक वजह तो साफ है कि निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार के कारण निर्माण सामग्री की गुणवत्ता से समझौता किया जाता है।मगर यह सब ऐसी व्यवस्था में बढ़ रहा है, जो भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त न करने के दावे करती है। आमतौर पर हवाई अड्डा और वहां के समूचे परिसर को सबसे सुरक्षित जगहों में शुमार किया जाता है, जहां हुए निर्माण से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक के मोर्चे को पूरी तरह चाक-चौबंद माना जाता है। मगर बारिश ने इस बात की कलई खोल कर रख दी है। इस तरह इमारतों, पुलों, सड़कों के बारिश में ढह या बह जाने से न केवल बड़े पैमाने पर सार्वजनिक धन भी बह जाता है, आम लोगों की परेशानियां और बढ़ जाती हैं, इससे जान-माल का नुकसान होता है, सो अलग।

मोदी सरकार के लिए विपक्ष की अवहेलना करना आसान नहीं

योगेंद्र योगी

पिछले कार्यकाल में मणिपुर के मुद्दे को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ने 141 सांसदों को सदन से निलंबित कर दिया था। विपक्ष उस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सदन में बयान देने की मांग कर रहा था। इसे सत्ता पक्ष ने मंजूर नहीं किया। तीसरी बार केंद्र में सत्ता में आई भाजपा गठबंधन सरकार के लिए इस बार विपक्ष की अवहेलना करना आसान नहीं होगा। मजबूत विपक्ष के कारण केंद्र सरकार को अपना रवैया पिछले कार्यकाल की तुलना में नरम रखना होगा। इसका प्रमाण भी लोकसभा में मिल गया। विपक्ष ने जिस तरह के तेवरों से आगाज किया है, सत्तारुढ़ दल उस तरह प्रतिरोध नहीं कर पाया जिस तरह पहले और दूसरे कार्यकाल में किया था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी पिछले कार्यकाल की तुलना में इस बार की शुरुआत सामंजस्य बिठाने से की है। पिछले कार्यकाल में मणिपुर के मुद्दे को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ने 141 सांसदों को सदन से निलंबित कर दिया था। विपक्ष उस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सदन में बयान देने की मांग कर रहा था। इसे सत्ता पक्ष ने मंजूर नहीं किया। सदन में कई दिनों तक हंगामे की स्थिति बनी रही। इस पर अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष के सदस्यों को निलंबित कर दिया। विपक्ष का आरोप था कि प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर की वीभत्स घटनाओं और लगातार होती हिंसा के बावजूद सार्वजनिक बयान देने से कतरा रहे हैं। पीएम मोदी ने मणिपुर की घटना का लोकसभा और सार्वजनिक मंचों का जिक्र तक नहीं किया। इस बार भाजपा गठबंधन सरकार का ऐसी स्थितियों से बचना आसान नहीं होगा। मजबूत विपक्ष की घेराबंदी से सरकार को ऐसे सार्वजनिक मुद्दों पर अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का भारी दवाब होगा। लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर और भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब द्वारा 18वीं लोकसभा के लिए निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाए जाने के दौरान एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने शपथ लेने के बाद नारा लगाया- जय भीम, जय तेलंगाना और फिर जय फलिस्तीन कहा। फिर उन्होंने अल्लाह-ओ-अकबर के भी नारे लगाए। इस पर भाजपा के कई सदस्यों ने आपत्ति जाहिर की। उन्होंने विरोध दर्ज करवाया। इस पर प्रोटेम स्पीकर ने कहा कि अगर ओवैसी ने कोई आपत्तिजनक बात कही है उसे कार्यवाही के रिकॉर्ड से हटा दिया जाएगा। ओवैसी हैदराबाद से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। वह पांचवी बार सांसद बने हैं। विवाद के बाद ओवैसी ने सफाई दी और कहा कि फिलीस्तीन बोलना संविधान के खिलाफ कैसे है। भाजपा सांसद जी किशन रेड्डी का काम ही विरोध करना है। भाजपा के पिछले कार्यकाल के दौरान यदि ओवैसी इस तरह शपथ लेते तो निश्चित तौर पर उन्हें भाजपा सांसदों का भारी विरोध सहना पड़ता, जोकि इस बार इस बार सामान्य नजर आया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को सदन में नेता प्रतिपक्ष के रूप में आधिकारिक रूप से मान्यता दे दी। राहुल गांधी का नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नौ जून, 2024 से प्रभावी रहेगा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने मंगलवार को लोकसभा के कार्यवाहक अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) भर्तृहरि महताब को पत्र भेजकर कांग्रेस के इस फैसले के बारे में उन्हें अवगत कराया था कि राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष होंगे। राहुल गांधी ने कहा कि उनके लिए यह अधिकारों की लड़ाई लड़ने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का नेता सिर्फ एक पद नहीं है, वह आपकी आवाज बनकर आपके हितों और अधिकारों की लड़ाई लड़ने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। लोकसभा के पिछले कार्यकाल में कांग्रेस की लगातार मांग के बावजूद संख्या बल का हवाला देते हुए मोदी सरकार ने नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति नहीं की थी। 17 वीं लोकसभा में पर्याप्त संख्या बल नहीं होने पर लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता का पद रिक्त रहा। नेता प्रतिपक्ष की सदन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका और संवैधानिक अधिकार होते हैं। इनमें कटौती करना सत्तारुढ़ दल के लिए संभव नहीं है। यह एक सम्मानीय पद है। राहुल गांधी के लिए भाजपा जिस तरह का वक्तव्य हर वक्त इस्तेमाल करती रही है, वह अब संभव नहीं होगा। नेता प्रतिपक्ष की हैसीयत सत्तारुढ़ दल के नेता से कम नहीं होती। राहुल गांधी सदन में विपक्ष की आवाज उठाते हुए नजर आने वाले हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजों ने बहुत कुछ बदलकर रख दिया है। राहुल गांधी के तौर पर पूरे दस सालों बाद सदन के भीतर विपक्ष को अपना सेनापति मिला है. 2014 में सत्ता से बेदखल होने के बाद कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष का पद मिला है, क्योंकि पिछले दस सालों से पार्टी के पास इस पद को पाने के लिए जरूरी 54 सीटें तक नहीं थीं। इस बार कांग्रेस के पास लोकसभा में 99 सीटें हैं और इसीलिए 20 साल लंबे राजनीतिक करियर में राहुल गांधी को पहली बार संवैधानिक पद मिला है। हालांकि, राहुल के लिए आगे का सफर आसान नहीं होगा। विपक्ष के सेनापति के तौर पर और संवैधानिक पद पर होने की वजह से राहुल गांधी को कई जिम्मेदारियां निभानी हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नेता विपक्ष बनने पर बधाई मिल रही है, लेकिन विपक्ष के नेता ये भी कह रहे हैं कि पूरे गठबंधन के हितों का ध्यान रखा जाए। नेता प्रतिपक्ष न सिर्फ अपनी पार्टी को बल्कि पूरे विपक्ष का नेतृत्व करता है। नेता प्रतिपक्ष कई जरूरी नियुक्तियों में पीएम के साथ बैठता है। मतलब ये कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी साथ मिलकर कई फैसले लेंगे। दोनों के राय से फैसले लिए जाएंगे। चुनाव आयुक्त, केंद्रीय सतर्कता आयोग के अध्यक्ष, मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष इन सभी पदों का चयन एक पैनल के जरिए किया जाता है, जिसमें प्रधानमंत्री और नेता विपक्ष शामिल रहते हैं। अब तक राहुल गांधी कभी भी मोदी के साथ किसी पैनल में शामिल नहीं हुए हैं। राहुल गांधी भारत सरकार के खर्चों की जांच करने वाली लोक लेखा समिति के अध्यक्ष होंगे। राहुल सरकार के कामकाज की लगातार समीक्षा करेंगे। वह ये जानने की कोशिश करेंगे कि सरकार कहां पर कितना पैसा खर्च कर रही है। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों के प्रमुखों के चयन में भी अहम भूमिका निभाने वाले हैं। वह पिछले 10 साल से इन एजेंसियों पर काफी आरोप लगाते आए हैं। नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद राहुल को पद भी मिला है।

सत्ता पक्ष और विपक्ष के अपने-अपने तीर

सत्तारूढ़ राजग गठबंधन के संख्या-बल को देखते हुए लोकसभा अध्यक्ष का पद ओम बिरला को मिलना प्रत्याशित था, मगर स्वस्थ संसदीय परंपरा के मुताबिक उनका इस पद पर सर्वसम्मति से न चुना जाना अप्रत्याशित माना जाएगा। पिछले पांच दशकों में यह पहला मौका था, जब लोकसभा अध्यक्ष पद को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने थे। देश के संसदीय इतिहास में अब से पहले तीन बार ही ऐसा मौका आया था। हालांकि, इस बार भी सरकार की ओर से सर्वानुमति बनाने की लगातार कोशिशें होती रहीं, लेकिन बात नहीं बन सकी और अंततः ध्वनिमत से ओम बिरला व विपक्ष के उम्मीदवार के सुरेश के बीच लोकसभा अध्यक्ष पद का फैसला किया गया। अध्यक्ष पद पर इस तनातनी के सत्ता पक्ष और विपक्ष के लिए अलग-अलग संकेत हैं। सत्ता पक्ष, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह संकेत देना चाहते थे कि बेशक इस बार उनकी सरकार सहयोगी दलों पर निर्भर है, लेकिन नीतिगत मोर्चे पर निरंतरता कायम है। फिर चाहे मंत्रिमंडल का गठन हो या राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का चयन या फिर प्रधान सचिव की नियुक्ति, सभी पदों पर कमोबेश पुराने चेहरों के ऊपर ही भरोसा किया गया है। ऐसे में, लोकसभा अध्यक्ष जैसा महत्वपूर्ण पद भला कैसे छोड़ा जा सकता था? प्रधानमंत्री अपनी इस निरंतरता को राजनीतिक स्थिरता के रूप में पेश करना चाहते हैं। वह बताना चाहते हैं कि भाजपा के अल्पमत में होने के बावजूद यह एक मजबूत सरकार है, जिस पर उनका पूरा नियंत्रण है। वह कमजोरी का कोई संकेत नहीं देना चाहते, जो आमतौर पर गठबंधन की सरकार में देखी जाती है। रही बात विपक्ष की, तो इस आम चुनाव में वह काफी मजबूती से उभरा है। वह सत्ता पक्ष के हरेक वार पर पलटवार करना चाहेगा। के सुरेश का नाम आगे करने के पीछे भी यही राजनीति थी। चूंकि सुरेश केरल से आठ बार सांसद रहे हैं और मौजूदा सदन के सबसे वरिष्ठ सांसद भी हैं, इसलिए विपक्ष उनको अस्थायी लोकसभा अध्यक्ष, यानी प्रोटेम स्पीकर बनाने की मांग कर रहा था, जिसे यह कहकर खारिज कर दिया गया कि दो आम चुनावों में वह सदन का हिस्सा नहीं बन सके थे। इसीलिए, भर्तृहरि महताब को यह दायित्व सौंपा गया, क्योंकि वह सात बार सांसद रह चुके हैं। सत्ता पक्ष के सुरेश के नाम पर सहमत होकर सौहार्दता का परिचय दे सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, नतीजतन, विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए के सुरेश का नाम आगे कर दिया। हालांकि, मामला सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं था। के सुरेश दलित हैं। उनके नाम पर दांव खेलकर विपक्ष ने यह संदेश देने की भी कोशिश की है कि वह दलितों का हिमायती है और सत्ता पक्ष ऐसा नहीं चाहता। 2024 के चुनाव में दलित-कार्ड काफी अहम साबित हुआ है। आंकड़ों की मानें, तो दलितों का वोट भाजपा से छिटका है। चूंकि मुस्लिम भाजपा के वोटर नहीं माने जाते, इसलिए आकलन है कि दलित-मुसलमान का जातिगत समीकरण सत्तारूढ़ दल पर आगे भारी पड़ सकता है, क्योंकि इन दोनों की आबादी मिलकर करीब 32-33 प्रतिशत हो जाती है। चुनाव में 'इंडिया' ब्लॉक को पूर्वी उत्तर प्रदेश में ओबीसी का भी साथ मिला है और ब्राह्मण व राजपूत भी भाजपा से कुछ हद तक नाराज हैं। ऐसे में, विपक्ष की मंशा आने वाले विधानसभा चुनावों में इस जातिगत समीकरण का लाभ उठाने की हो सकती है। फिर, के सुरेश दक्षिण के नेता भी हैं, जहां से कांग्रेस को मुश्किल दिनों में संजीवनी मिलती रही है। जाहिर है, सत्ता पक्ष प्रधानमंत्री मोदी के उस कथन को लोकसभा में साकार करने से चूक गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि सरकार बहुमत से बनती है।

सुखद जीवन के लिए खुद में बदलाव जरूरी...

एकता कानूनगो

हम सभी का जीवन विभिन्न परिस्थितियों और भांति-भांति के लोगों के साथ बीतते हुए ही बनता है। यह जरूर हमें महसूस होता है कि हम रोजमर्रा के सामान्य दिनों में अपनी दिनचर्या की पुनरावृत्ति कर रहे हों, जबकि हमारा हर दिन अपने आप में अलग होता है। पत्र-पत्रिकाओं और सोशल मीडिया में अक्सर ऐसी पहेलियां आती रहती हैं, जिनमें बिल्कुल एक से दिखने वाले दो चित्र हमारे सामने रख दिए जाते हैं और हमें उनमें अंतर खोजना रहता है। बहुत गौर से देखने पर सूक्ष्म अंतर हमें नजर भी आते हैं। जैसे किसी एक में व्यक्ति का चेहरा बिना किसी भाव के है, तो दूसरे में वह मुस्करा रहा है। ऐसे ही हमारे जीवन के एक से दिखने वाले दिन भी एक दूसरे से काफी अलग होते हैं।अक्सर सूक्ष्म भिन्नताओं को हम देख ही नहीं पाते और अपनी नियमित आदतों की धुन में बने रहते हैं। हम बस एक निश्चित जीवनशैली बना लेते हैं और उस पर लगातार बने रहने में संतुष्टि पाने लगते हैं। यह गलत भी नहीं है। अच्छी आदतों को दोहराते रहना बुरा भी नहीं है, पर अगर हम किसी मशीन की तरह रोज के कामों को करते ही रहते हैं, बाकी चीजों के प्रति हम सचेत नहीं हैं, कोल्हू के बैल या तांगे के घोड़े की तरह एक धुन में अपना रोज का काम निपटा रहे हैं तो हमें एक बार रुक कर थोड़ा विचार करने की जरूरत होगी। अपनी दिनचर्या को पूरी तरह से नियमों से बंधा हुआ रखने की बजाय थोड़ा-सा लचीलापन रखना जिसमें बदलाव की थोड़ी बहुत गुंजाइश बनी रहे, अपने समय को सुखद बनाने के लिए शायद ठीक होगा। हर दिन अपने आप में नया होता है। थोड़े-बहुत बदलाव से हम उसका सही उपयोग, बेहतर प्रबंधन कर सकते हैं। यह समझ हमें जीवन से जुड़ी अनिश्चितता को लेकर और अधिक सहज और स्वाभाविक भी बनाती है। अचानक से आई नई-नई परिस्थिति को लेकर भी हमारी प्रतिक्रिया सहज होने लगती है, हम अधिक संयम के साथ उसका सामना कर पाते हैं। जब हम अपने ही बनाए ढांचे से समय-समय पर अपने को मुक्त करते हैं, खुद को सुरक्षा घेरे से थोड़ा बहुत बाहर निकालने की चुनौती देते रहते हैं, तब हम पहले से अधिक बेहतर, संतुलित और सक्षम भी होने लगते हैं। हम सिर्फ किसी यंत्र की तरह काम नहीं कर रहे होते, जिसे निर्धारित काम और परिस्थिति की जगह कुछ और काम या परिस्थियां हटकर दे दी जाए तो यंत्र काम करना बंद कर देता है। हम मशीन नहीं हैं। हम अपनी सारी इंद्रियों का उपयोग कर नई परिस्थिति को समझ रहे होते हैं, उसको बेहतर तरीके से करने की रणनीति बना रहे होते हैं, खुद को उस काम के लिए तैयार कर रहे होते हैं। हमारे द्वारा स्वयं पर जबरन थोपे अस्वाभाविक नियम कभी-कभी हमें आत्मकेंद्रित बना सकते हैं। उन्हें पूरा करने को लेकर हमारी जिद हमारे आसपास के लोगों पर भी नकारात्मक प्रभाव डालने लगती है। किसी भी तरह का नियम बनाते समय यह ध्यान रखना जरूरी है कि उसके कारण किसी और को परेशानी तो नहीं हो रही। हमारी आदतें भी किसी के जीवन में दुख का कारण बन सकती हैं। अपनी दिनचर्या में हम पेड़-पौधों को रोज पानी पिलाते हैं। यह हमारी नियमित आदत है। इससे हमें संतुष्टि मिलती है। अब हम रोज ऐसा ही करेंगे, यह एक धुन है, जबकि मौसम के अनुरूप पौधे की आवश्यकता के अनुसार हम उसकी देखभाल करें, यह एक अच्छी समझ है, आदत में स्वाभाविक रूप से बदलाव करना होगा। मसलन, कल से मैं सुबह उठकर अपनी सेहत के लिए विशेष तरह के भोजन का सेवन करूंगा, थोड़ा जल्दी उठकर अपने लिए अपने अनुसार भोजन बनाऊंगा और इस बात का ध्यान रखूंगा कि मेरे कारण दूसरों की दिनचर्या में कोई व्यवधान न आए। ऐसी समझ और आदतों की शुरुआत से समग्र जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं। यह हमारे व्यक्तित्व के हर पक्ष को छूता है। हमें दूसरों की जरूरतों के प्रति भी और संवेदनशील बनाता है। आदतों को बनाना और आदतों की कैद से खुद को समय-समय पर निकालना, दोनों ही बेहद महत्वपूर्ण है। फिर उसका संबंध हमारे द्वारा लंबे समय से बनाए विचारों से हो या हमारे द्वारा किए जा रहे व्यवहार से। किसी एक विचार से जुड़ी सामग्रियों से हटकर भी हमें अक्सर अलग-अलग विचारों को खुले दिमाग से सुनने का प्रयास करते रहना चाहिए। हो सकता है, इसके जरिए हम पुराने और प्रचलित विचारों की जगह अपनी नई बेहतर सोच विकसित कर सकें, जो और लोगों को प्रेरणा दे जाए। हमारे व्यवहार को भी हमें समय-समय पर व्यक्ति और परिस्थिति को देखते हुए संशोधित करते रहना चाहिए। हमारी हंसी-मजाक की सहज प्रवृत्ति हमेशा ही सबको सहज लगे जरूरी नहीं। अगर हम हमेशा अन्यों के साथ आदेशात्मक रवैया अपनाते हैं तो वह भी कड़वाहट और वैमनस्य का कारण बन सकता है।

आज का राशिफल

मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5283

	9	2					7	4
				2	3			5
4								
	6			3	4			7
2		8	7	1	5	4		9
1			6	9			3	
								8
8			5	6				
7	4					3	2	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5282

8	5	1	7	2	9	6	4	3
4	2	3	5	6	8	1	7	9
7	9	6	1	4	3	2	8	5
2	8	7	3	1	5	4	9	6
3	6	9	4	8	7	5	2	1
1	4	5	6	9	2	8	3	7
9	7	2	8	5	6	3	1	4
5	1	8	9	3	4	7	6	2
6	3	4	2	7	1	9	5	8

वर्ग पहेली 5283

संकेत: बाएं से दाएं

1. 26 मार्च 1971 को यह देश पाकिस्तान से अलग हो गया यह देश इस तारीख को स्वतंत्रता दिवस मनाता है (4)
4. रामायण के अनुसार यह बालि का पुत्र था (3)
6. देशद्रोही, वतन से गद्दारी करने वाला (5)
8. पढ़ने वाला, किसी विश्वविद्यालय का प्राध्यापक (3)
10. [illegible] (2)
12. बहुमूल्य, कीमती (2)
13. मातृ, मां, पैदा करने वाली स्त्री (2)
14. अवकाश, कोई कार्य न होने की अवस्था (4)
15. अवलंब, आधार, सहारा (3)
16. इंतजाम, बंदोबस्त, कारगुजारी (3)
18. काबिल, योग्य, सामर्थ्यवान (3)
20. प्रत्येक पक्ष की दूसरी तिथि (2)
21. सहायता करने वाला, सहायता प्राप्त, संरक्षणपूर्ण सहायक (5)

ऊपर से नीचे

1. [illegible] (3)
2. पति का छोटा भाई (3)
3. स्त्री की पूर्ण संरक्षा, रक्षक (2)
4. निरंकुश, गजबांक, भेड़िया (3)
5. चेतनाहीन, मूर्छा (2)
7. हिंदी माह की प्रत्येक पक्ष की नौवीं तिथि (3)
9. पश्चिमी अफ्रीका में स्थित एक देश सेनेगल की यह राजधानी है, उदारमना (3)
11. नक्षत्र, तारा, सितारा (3)
12. देय, जो देने योग्य हो (3)
13. माह, तीस दिन का समय (2)
14. भुगतान देकर चुप या शांत करना (4)
15. बढ़ा भाव, अनौचित्य, निष्ठा (2)
17. विद्यमानता, मौजूदगी, अस्तित्व (3)
19. अल्प, जरा, थोड़ा (2)
20. अधिकतम, विलंब, जितना समय लगना चाहिए उससे अधिक समय (2)

वर्ग पहेली 5282 का हल

श्री	क		क	ला	कि	ता	न
न	ल		भा		स	घ	न
क	प	क			ग	ड	द
म	ना	ना		सु			
		र	ल	त	फ	ह	मी
त	ला	ल	ल		ट	ह	
ब	ल		ठ		का		न
	ध	ब्दु		प	र	वा	दा

नया कानून:महिलाएं घर बैठे कर सकेंगी एफआईआर

वर्कशाप का हुआ आयोजन, अधिकारी और जनप्रतिनिधि रहे उपस्थित

मंदसौर, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। देश में 1 जुलाई से नया कानून लागू हो गया है। धारा बदलने के साथ ही इसमें कई प्रावधान लागू किए गए हैं। अब महिला-बच्चों के केस में बिना थाने जाए ई एफआइआर होगी। आपराधिक व भ्रष्टाचार के केस में शासन से अधिकारी के खिलाफ चालान की अनुमति मिलने में सालों लग जाते हैंनए प्रावधान के तहत, ऐसे केस में 120 दिन में अनुमति नहीं मिली तो स्वत: अनुमति मानकर जांच एजेंसी चालान पेश कर सकेगी। विदेश भागे आरोपी के केस में कोर्ट में सुनवाई जारी रहेगी, उसकी संपत्ति कुर्की की जा सकेगी। पीडित को भी सूचना का अधिकार दिया गया है। उसके दर्ज कराए केस में जांच की स्थिति, चार्जशीट की जानकारी पुलिस को पीड़ित को देनी होगी।

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 कानून केसंबंध में आमजन में प्रचार प्रसार हेतु पुलिस द्वारा जिला पंचायत भवन में जनजागरूकता कार्यक्रम (वर्कशॉप) का आयोजन किया गया। जिसमें कलेक्टर दिलीप यादव, पुलिस कप्तान अनुराग सुजानिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, जिला पंचायत सीईओ कुमार सत्यम, जिला पंचायत उपाध्यक्ष विनीता यादव, जिला भाजपा अध्यक्ष नानालाल अटोलिया, पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया, पूर्व मंत्री नरेन्द्र नाहटा एवं अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस के अधिकारी समेत शहर के अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गौतम सोंलकी द्वारा किया गया। पुलिस कप्तान अनुराग सुजानिया द्वारा वर्कशॉप में उपस्थित समस्त आमजनों को नवीन कानून के संबंध में जागरूक किया गया। उन्होंने पूर्व कानून एवं बदलाव के साथ नवीन कानून के बारे में अत्यंत सरल भाषा में तुलना कर कानून में हुये बदलाव में बारे में बताया कि नवीन कानून वर्तमान परिस्थिति के अनुरूप बनाया गया है। पूर्व में भारतीय दंड विधान (भादवि) के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), सी.आर.पी.सी. के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) एवं इंडियन एविडेंस एक्ट के स्थान पर भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 किया गया है। इसके अतिरिक्त बताया गया कि पूर्व में नाम भारतीय दंड संहिता था जिसमें दंड के साथ अपराधी को सुधारना प्रथमिकता था, जबकि नवीन कानून का नाम भारतीय न्याय संहिता है। जिसमें मुख्य उद्देश्य अपराधी को दंड के साथ साथ पीडित को उचित न्याय भी मिले।

सभी मामलो में पीड़ित का रखा जाएगा ध्यान...

नए प्रावधान के तहत लोकायुक्त व ईओडब्ल्यू से जुड़े केस में 120 दिन में अनुमति नहीं मिली तो स्वत: अनुमति मान ली जाएगी और चालान पेश किया जा सकेगा। नए प्रावधानों के तहत अब किसी भी केस के पीड़ित का भी ध्यान रखा जाएगा। पीडित द्वारा दर्ज कराए गए केस में जांच की प्रगति, चार्जशीट प्रस्तुत होने तथा जांच के निष्कर्ष की जानकारी पीडित को देना होगी। किसी केस में खात्मा होता है तो जानकारी भी देना होगी। उसे मुआवजा दिलाने का भी प्रावधान है।

अपराधियों के लिए सख्त कानून...

✻ महिला बच्चों के साथ अपराध के केस में थाने जाने की जरूरत नहीं है। वे तकनीकी माध्यम से ई एफआइआर करा सकेंगे। ✻ अब अपराध के मामले सीमा क्षेत्र में नहीं उलझेंगे। देश के किसी भी थाने पर पीडित जाएगा तो क्षेत्र नहीं होने के बाद भी वहां शून्य पर केस दर्ज किया जाएगा। ✻ धारा 111 में बड़े अपराध जैसे कांटेक्ट किलिंग, वसूली, किडनैपिंग करने वाली गैंग पर कार्रवाई होगी तो धारा 112 में छोटे अपराध करने वाली गैंग पर कार्रवाई का प्रावधान है। ✻ मोबाइल, चेन, पर्स लूट के मामले धारा 302 में रहेंगे। पूर्व में मोबाइल लूट के मामलों में चोरी की धारा दर्ज कर ली जाती थी। ✻ 5 या 5 से अधिक लोग किसी की जाति, समाज, भाषा के आधार प हत्या, गंभीर घायल करने जैसा अपराध करते हैं तो उसके स्वरूप को मॉब लिचिंग मानकर सख्त कार्रवाई होगी। ✻ आरोपी के विदेश भागने की स्थिति में केस की सुनवाई जारी रहेगी, सरकार की ओर से वकील उपलब्ध कराया जाएगा। संपत्ति कुर्की का भी प्रावधान है। ✻ किसी भी केस के गवाह की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार को अलग से यूनिट बनाना होगी। जेल में बंद आरोपी अगर संबंधित केस की सजा के प्रावधान में से एक तिहाई समय बंद रह जाता है तो उसकी जमानत के लिए जेल अधीक्षक को अपील करना होगी। ✻ आदतन अपराधी, फरार होने की आशंका वाले अपराधी, आतंकी गतिविधि या आर्म्स एक्ट के आरोपी को हथकड़ी लगाने का नियम शामिल किया है। ✻ 3 से 7 साल तक की सजा वाले केस में 14 दिन में प्रारंभिक जांच पूरी करना होगी। इसमें 7 साल से ज्यादा सजा का प्रावधान है, उसमें प्रारंभिक जांच नहीं होगी। ✻ मेडिकल परीक्षण रिपोर्ट के लिए चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। ई मेल पर मिली रिपोर्ट भी मान्य होगी। ✻ फारेंसिक अधिकारी व डॉक्टर को कोर्ट सुनवाई में वीडियो कांफ्रेंसिंग से उपस्थित होने की अनुमति रहेगी। ✻ आरोपी ने एक ही तरह का दूसरा केस किया है तो दोनों केस की साथ सुनवाई होगी।

चार्टर्ड अकाउंटेंट आर्थिक जगत के आधार स्तम्भ हैं-आयकर अधिकारी

मंदसौर, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। देश को आर्थिक मजबूती प्रदान करने में चार्टर्ड अकाउंटेंट महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। कर प्रावधानों में समय समय पर चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा दिये जाने वाले सुझाव सरकार के लिये बजट बनाने में अत्यन्त मददगार सिद्ध होते हैं। साथ ही चार्टर्ड अकाउंटेंट कर विभाग व करदाता के बीच भी महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते हैं। पिछले 75 वर्षों में चार्टर्ड अकाउण्टेन्ट्स एसोसिएशन द्वारा देश की प्रगति में दिये गये योगदान को हमेशा याद रखा जायेगा।

उक्त विचार मन्दसौर जिले के आयकर अधिकारी श्री संजीव कुमार मलिक द्वारा सीए दिवस पर मन्दसौर सीए ब्रांच द्वारा आयोजित झंडा वंदन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जीएसटी विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर श्री राजेश भामोर ने संबोधित करते हुए बताया कि जीएसटी का सफल संचालन चार्टर्ड अकाउंटेंट समुदाय के सक्रिय सहयोग व सुझावों के बिना संभव नहीं था। जीएसटी को लागू करना एक अत्यन्त ही मुश्किल कार्य था जिसमें सीए इंस्टीट्यूट ने समय समय पर सरकार के साथ मिलकर व्यापारियों के बीच जागरूकता शिविरों का आयोजन कर व्यापारी वर्ग को जीएसटी के प्रावधानों से परिचित कराया। मन्दसौर ब्रांच के अध्यक्ष सीए दिनेश जैन ने बताया कि यह मन्दसौर ब्रांच में झंडावंदन का प्रथम कार्यक्रम है। ब्रांच ने पिछले 7 दिनों में निरन्तर गतिविधियों के माध्यम से शहर में अपनी एक अलग पहचान बनायी है। इस पूरे सप्ताह में सभी सीए साथियों, विद्यार्थियों, नगर के सभी जागरूक नागरिकों का पूरा सहयोग मिला है और आगे भी इसी प्रकार से सभी का सहयोग मिलता रहेगा, ऐसा हमारा विश्वास है। मन्दसौर ब्रांच के सचिव सीए विकास भंडारी ने पिछले 6 माह में ब्रांच द्वारा की गयी गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की गयी। साथ ही ब्रांच द्वारा की जाने वाली आगामी गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में सीए विद्यार्थियों द्वारा शहर के सभी चार्टर्ड अकाउंटेंट का सम्मान किया गया। झंडावंदन कार्यक्रम के पश्चात ब्रांच परिसर में आम व नीम के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलायी गयी। कार्यक्रम का संचालन सीए राजेश मंडवारिया ने किया। आभार प्रदर्शन सीए नयन जैन ने किया।

मप्र के सभी टाइगर रिजर्व आज से बंद, अब 1 अक्टूबर को खुलेंगे

भोपाल, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश के सभी 6 टाइगर रिजर्व बांधवगढ, कान्हा, पेंच, सतपुडा, पन्ना और संजय धुबरी को एक जुलाई से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। हालांकि कुछ टाइगर रिजर्व के बफर जोन में टाइगर सफारी पहले ही तरह ही संचालित होती रहेगी।

नेशनल पार्क या टाइगर रिजर्व के कोर जोन में पर्यटक नहीं जा सकेंगे। नेशनल पार्कों और टाइगर रिजर्व में तीन महीने तक पर्यटकों के लिए यह पाबंदी लागू रहेगी। जो एक अक्टूबर को खुलेगी।

प्रजनन का समय-दरअसल, यह मौसम में बाघ और बाघिन के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है वह इस इस मौसम में एकांतवास में साथ रहते हैं और उनके एकांतवास में कोई खलल हो तो वह खूंखार हो जाते हैं। जिस वजह से नेशनल पार्क बंद करने पडते हैं।

बफर जोन में जारी रहेगी सफारी-मध्यप्रदेश में बांधवगढ सहित अन्य टाइगर रिजर्व के बफर जोन में सफारी जारी रहेगी और बफर में घूमने वाले टूरिस्ट बारिश के दौरान सफारी का आनंद ले सकते हैं। गौरतलब है कि बारिश के दौरान बाघ और बाघिन संसर्ग करते हैं और इस दौरान वे एकांत में रहना पसंद करते हैं। यही कारण है कि बारिश के दौरान दो से तीन माह के लिए पार्क बंद कर दिए जाते हैं। इसके अलावा बारिश के दौरान पार्क या अभयारण्य के कच्चे रास्तों पर वाहन चलाना काफी मुश्किल भरा हो जाता है। जंगल के अंदर वाहनों के कच्चे रास्तों में फंसने से किसी तरह का कोई हादसे का खतरा बढ जाता है।

मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी

नीमच, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के निर्वाचन के लिए फोटो युक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। मतदाता सूची एक जनवरी 2024 की संदर्भ तारीख के आधार पर बनाई जाएगी। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 12 सितंबर 2024 को होगा। सचिव, राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने बताया है कि रजिस्ट्रीकरण, सहायक रजिस्ट्रीकरण और मास्टर ट्रेनर्स की नियुक्ति और उनका प्रशिक्षण 2 जुलाई 2024 तक किया जाएगा। मतदान केंद्रों का युक्ति-युक्तिकरण का प्रस्ताव तैयार कर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को 4 जुलाई तक दिया जाएगा। फोटो युक्त प्रारूप मतदाता सूची का विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 19 जुलाई को किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची पर दावे आपत्ति 19 जुलाई से 2 अगस्त तक लिए जाएंगे। प्राप्त दावे-आपत्तियों के निराकरण की अंतिम तिथि 9 अगस्त है। फोटो युक्त अंतिम मतदाता सूची का विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 12 सितंबर 2024 को किया जाएगा। पूरी प्रक्रिया नियमानुसार निर्धारित समय में पूरी करने के निर्देश जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिए गए हैं।

शासकीय कॉलेज में हुआ दीक्षारंभ कार्यक्रम

दलौदा, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पूरे प्रदेश के महाविद्यालय में 1 जुलाई से नया शिक्षण सत्र प्रारंभ हो रहा गया हे स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय दलौदा में दीक्षारंभ समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।पहले दिन नव प्रवेशित बीए , बीकॉम, बीएससी प्रथम वर्ष के विद्यार्थियो का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया है। मुख्य अतिथि स्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हेमंत धनोतिया द्वारा उपस्थित नव प्रवेशित विद्यार्थियो को को सम्बोधित किया गया है।नव प्रवेशित छात्र छात्राओं के लिए माहौल को सहज बनाने के लिए आयोजन किया गया, जिसमें पढाई से पहले दीक्षारंभ कार्यक्रम किया गया, जिसमें छात्रों को न सिर्फ प्राध्यापको बल्कि सीनियर छात्रों के साथ मेलजोल करवाया गया। प्रवेश प्रभारी डॉ. नोंदराम मालवीय द्वारा कॉलेज परिसर के अलावा लायब्रेरी और ऑफिस का भ्रमण करवाया गया।ये पूरा कार्यक्रम करीब चार घंटे का रहा हैं। एसके लिए विभाग से कार्यक्रम समयबद्ध तरीके से भेजा गया है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ . डीसी गुप्ता ने बताया कि दीक्षारंभ कार्यक्रम पहली बार हो रहा हैं, जिसमें नई शिक्षा नीति के बारे में विस्तार से जानकारी दी जायेगी,ताकि विद्यार्थी इसे बेहतर तरीके से समझ सके। इस अवसर पर समस्त प्राध्यापक ,कर्मचारी और बडी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित थे। उक्त जानकारी डॉ. ओंकार सिंह रावत ने दी है।

एसडीओपी सोलंकी ने दी नए कानून की जानकारी

पिपलियामंडी, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। 1 जुलाई से लागू हुए तीन नए आपराधिक कानून के विषय में जागरुकता व परिचर्चा को लेकर सोमवार को पोरवाल धर्मशाला में कार्यक्रम आयोजित किया गया। एसडीओपी नरेन्द्र सोलंकी ने कार्यक्रम में आए नागरिकों को कानूनों व सायबर अटेक को लेकर जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता व भारतीय साक्ष्य अधिनियम आज से प्रभाव में आएंगे।

वैश्य संगठन में संवाद, संपर्क और निरंतरता सदैव बनी रहती हैं-उमाशंकर गुप्ता

वैश्य महासम्मेलन की जिला बैठक में प्रांताध्यक्ष एवं सांसद गुप्ता ने नवीन सदस्यों का किया स्वागत

मंदसौर, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। वैश्य महासम्मेलन मंदसौर जिला इकाई की जिला बैठक प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री एवं प्रांतीय अध्यक्ष श्री उमाशंकर गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में हाटकेश्वर मांगलिक भवन में संपन्न हुई। बैठक में विशिष्टअतिथि के रूप में सांसद श्री सुधीर गुप्ता उपस्थित थे। अध्यक्षता प्रदेश महामंत्री श्री जगदीश अग्रवाल गरोठ ने की। विशेष अतिथि के रूप में संभागीय अध्यक्ष श्री संतोष चोपडा नीमच, मंदसौर जिला प्रभारी श्री नरेंद्र अग्रवाल उपस्थित थे।

समारोह में वैश्य महासम्मेलन जिलाध्यक्ष श्री जगदीश चंद्र चौधरी , जिला महामंत्री श्री भगवानदास विजयवर्गीय, मंदसौर तहसील अध्यक्ष श्री सत्यनारायण छापरवाल , युवा इकाई संभागीय प्रभारी श्री कपिल भंडारी, संभागीय अध्यक्ष श्री अमित मारवाडी, युवा जिला प्रभारी श्री जगदीश काला ,जिलाध्यक्ष श्री राकेश दुग्गड , ज़िला महामंत्री दिलीप सेठिया,कार्यक्रम संयोजक श्री सुभाष खंडेलवाल ,एडवोकेट गौरव रत्नावत, महिला इकाई जिला प्रभारी श्रीमती भारती अग्रवाल, जिलाध्यक्ष श्रीमती श्वेता अग्रवाल भी मंचस्थ थे। जिला बैठक में नवीन सदस्यों को वैश्य महासम्मेलन की सदस्यता प्रदान कर उनका स्वागत किया गया। वैश्य महासम्मेलन जिला बैठक को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री उमाशंकर गुप्ता ने कहा कि वैश्य महासम्मेलन एक अलग प्रकार का सामाजिक संगठन है। लोग सामाजिक संगठन सुनकर केवल सोचते हैं कि कुछ कार्यक्रम करके क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने की कोशिश करते हैं जबकि वैश्य संगठन ऐसा संगठन है जिसमें संवाद, संपर्क ,निरंतरता बनी रहती है। अतिथियों का स्वागत वैश्य महासम्मेलन परिवार की ओर से सर्व श्री सूरजमल गर्ग चाचाजी ,सत्यनारायण सोमानी, मंगेश गुप्ता ,कृष्ण कुमार चिचानी, नंदकिशोर अग्रवाल ,प्रकाश पालीवाल, राजमल गर्ग, हंसराज कबाडी, दाऊभाई विजयवर्गीय ,रमेश काबरा , दिलीप सोमानी, इंजीनियर रामगोपाल गुप्ता, ओम अग्रवाल सर, सचिन पाटनी , अप्रेष भंडारी सहित बडी संख्या में उपस्थित वैश्य बंधुओ और मातृशक्ति ने किया। जिला इकाई द्वारा द्वारा प्रांतीय अध्यक्ष श्री गुप्ता एवं सांसद श्री सुधीर गुप्ता के तीसरी बार सांसद बनने पर शाल ओढाकर श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया ।कार्यक्रम का संचालन युवा इकाई जिला प्रभारी जगदीश काला ने किया तथा आभार जिला महामंत्री भगवान दास विजयवर्गीय ने माना।

कलेक्टर ने बेस्ट एम्पलाई ऑफ दी मंथ पुरस्कार से 12 अधिकारी-कर्मचारी को किया सम्मानीत

नीमच, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने अधिकारी-कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए बेस्ट एम्पलाई ऑफ दी मंथ पुरस्कारर के तहत माह जून-2024 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभिन्न विभागों के 12 अधिकारी-कर्मचारियों को बेस्ट एम्पलाई ऑफ दी मंथ पुरस्कार से सम्मानित किया।

समारोह में जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, श्री सुदीप डोरिया सिटी मिशन मैनेजर श्री गोपाल परमार सहायक ग्रेड -3,श्री अजय सिंह पवांर,श्री हिरेन्द्रि सिंह राठौड, श्री देवप्रकाश ग्रेड-2,श्री हुकुमचन्द कुमावात जिला प्रबंधक आजीविका मिशन, श्री प्रकाश पालिया सहायक प्रबंधक आजीविका मिशन जिला पंचायत नीमच,श्री राजेन्द्र कुमार चौहान, प्रबंधक आजीविका मिशन ,श्रीमती सीमा तिवारी प्रा.शि.एकीकृत शामावि बमोरा,श्रीमती सावित्रि बाई भृत्य मत्स्योद्योग नीमच,श्री के.एल.सूर्यवंशी सीएमओं रामपुरा को सम्मानीत किया गया।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में दीक्षारम्भ समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर की प्राचार्य डा.उमा गगरानी ने जानकारी दी कि दिनांक 01 जुलाई 2024 को दीक्षारम्भ समारोह का आयोजन किया गया। दीक्षारम्भ कार्यक्रम का उद्देश्य नये विद्यार्थियों को नये परिवेश में सहज महसूस कराने,उनमें संस्थान की विशिष्ट प्रकृति तथा संस्कृति को सिखाने के लिए आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों को संस्था प्रमुख, प्रशासनिक कर्मचारी, संकाय प्रभारी,प्राध्यापकों, एनएसएस से परिचय कराया गया। आज के दीक्षारम्भ की शुरूआत डा.स्मिता मण्डलोई,डा.अंजली जैन द्वारा विद्यार्थियों और अभिभावकों को कुमकुम तिलक कर स्वागत करके की गई। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में प्राचार्य द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया तथा

संस्था का परिचय तथा उसका विजन मिशन बताया गया जिसमें डा.गगरानी ने महाविद्यालय के विधि और विधान को छात्राओं को अच्छी तरह से बताया साथ ही महाविद्यालय में चलने वाले पाठ्यक्रमों की जानकारी दीं।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में वरिष्ठ प्राध्यापक एवं वाणिज्य विभागाध्यक्ष डा.पी.एल.पाटीदार ने संकाय प्रमुख, प्राध्यापकों व अन्य कर्मचारियों का परिचय देते हुए छात्राओं को अपने स्टाफ से परिचय कराया। साथ ही आपने सैद्धांतिक शिक्षा के साथ-साथ व्यवहारिक शिक्षा व आत्मरक्षा पर बल दिया। आपने एनईपी 2020 का भी परिचय देते हुए शैक्षणिक संरचना एवं परीक्षा प्रणाली के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। डा.सुधीर रायजादा प्राध्यापक वाणिज्य ने छात्राओं को अपने लक्ष्य प्राप्ति के गुर सिखाते हुए बताया कि कठिन परिश्रम के आगे कुछ भी असंभव नहीं है। दृढसंकल्पित होकर आप अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढते रहे। डा.कविता बुन्देला प्राध्यापक रसायनशास्त्र ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को महाविद्यालय में प्रवेश लेने पर बधाई एवं शुभ कामना देते हुए कहा कि आप सिनसियर रहे, नियमित रूप से कक्षाओं में आयें और समय के पाबंध रहे। कार्यक्रम पश्चात् डा.राजश्री ठाकुर और डा.निरंजन गंगवाल द्वारा छात्राओं को महाविद्यालय परिसर का अवलोकन कराया गया। साथ ही वरिष्ठ छात्राओं के साथ इनका इन्टरेक्शन भी कराया गया। कार्यक्रम में समस्त महाविद्यालयीन स्टाफ, नवप्रवेशित छात्राओं और अभिभावकगण भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा.अंजली जैन ने किया।

पीजी कॉलेज में नव-प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ समारोह का आयोजन

मंदसौर, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंदसौर (प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेजब मंदसौर के प्राचार्य डॉ- बी- आर- नलवाया ने बताया कि उच्च-शिक्षा विभागब मध्यप्रदेश शासनब भोपाल के निर्देशानुसार महाविद्यालय में सत्र 2024।25 के नव-प्रवेशित विद्यार्थियों हेतु दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम 1 जुलाई से 3 जुलाई 2024 तक आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय की स्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष माननीय श्री नरेश जी चंदवानी थे। शुभारंभ समारोह में सर्वप्रथम मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप दीपन के पश्चात अतिथि स्वागत हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ- बी-आर-नलवाया ने स्वागत भाषण दिया एवं विद्यार्थियों को महाविद्यालय के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। विद्यार्थियों को विज़न एवं मिशन से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री नरेश जी चंदवानी ने नव-प्रवेशित विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें विश्वास दिलाया कि महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा उन्हें बेहतर से बेहतर सुविधाएं देने के हर संभव प्रयास किए जाएंगे। आपने विगत सत्रों में महाविद्यालय की अकादमिक, सांस्कृतिक एवं खेल से संबंधित उपलब्धियों को भी रेखांकित किया। आपने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने शैक्षणिक उत्थान के साथ ही महाविद्यालय को अपना 100% देकर अपने माता।पिताब गुरुओं के साथ।साथ नगरब प्रदेश एवं देश के भविष्य निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करें।

इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ- एस-पी- पंवार ने विद्यार्थियों को समस्त महाविद्यालयीन स्टॉफ की शैक्षणिक योग्यता एवं उनकी विषय विशेषज्ञता के बारे में जानकारी प्रदान की। महाविद्यालयीन प्रवेश प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नोडल अधिकारी प्रो. गौरव पाटीदार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों एवं सफल क्रियान्वयन के संबंध में विद्यार्थियों को जागरूक किया। डॉ-पाटीदार ने महाविद्यालय की एन-एस-एस- एवं एन-सी-सी- इकाइयोंब लाइब्रेरीब महाविद्यालय में चल रही विभिन्न छात्रवृत्तियों एवं शासन की विभिन्न योजनाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में पूर्व छात्रों ने भी अपने व्यक्तिगत अनुभव नव।प्रवेश विद्यार्थियों के साथ साझा किये। दीक्षारंभ कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं बडी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बीआरसी वर्मा को सेवानिवृत्ति पर दी बिदाई

पिपलियामंडी, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शिक्षा विभाग में बीआरसी दिनेश वर्मा के सेवानिवृत होने पर सोमवार को उनका बिदाई समारोह आयोजित किया। वर्मा ने 42 वर्षों से सेवाएं दी, सेवानिवृत्ति पर भाजपा मंडल मंत्री अनिल गोयल, शिक्षक पदमसिंह परिहार, पत्रकार नरेन्द्र राठौर, मिट्ठूलाल चौहान आदि ने वर्मा का पुष्पमालाएं पहनाकर स्वागत् किया।

मनोहर नाहटा बने जिला चिकित्सालय में विधायक प्रतिनिधि

मंदसौर, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। समाजसेवी और कांग्रेस नेता मनोहर नाहटा को विधायक विपिन जैन ने मंदसौर जिला चिकित्सालय में विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है। अपनी नियुक्ति पर श्री नाहटा ने कहा कि विधायक जी ने जो विश्वास मुझ पर जताया है उसे मै पूरी ईमानदारी से पूरा करूंगा, जिला चिकित्सालय में भी आने वाले मरीजों को जो भी सहायता चाहिएगी उसे उपलब्ध करवाने के भी पूरे प्रयास किये जायेंगे। श्री नाहटा की नियुक्ति पर उनके इष्ट मित्रों शुभचिंतकों ने शुभकामनाएं देकर उज्जवल भविष्य की कामना की है।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	54	2344	2546
उडद	8	5300	8700
सोयाबीन	4000	3200	4561
गैहु	4400	2474	3051
चना	400	5400	6560
मसुर	75	5500	6201
धनिया	315	4901	7061
लहसुन	12100	4500	20500
मैथी	805	4801	6781
अलसी	800	5600	6080
सरसो	505	5080	5456
तारामीरा	1	4541	4541
इसबगोल	125	9500	13080
प्याज	2700	768	2761
कलोंजी	25	13000	19500
डॉलर	15	4850	10100
तिल्ली	125	10690	12301
मटरसुखी	7	4420	5791
असालीया	50	9050	10411

दिनांक 02 जुलाई 2024
अपनी कुण्डली स्वयं देखे-ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ
क्या आप जानते है..?

यदि आपके गोचर में साढे साती या ढय्या का अशुभ प्रभाव है या शनि अशुभ है.....
✻ तो आप आलसी हो जाएंगे, अपने कार्यों को समय पर पूर्ण नहीं कर पाएंगे। गलत कर्मो में आपका मन लगेगा। आपके चेहरे की चमक धीरे-धीरे कम पड़ने लगेगी। शरीर मे अस्वस्थ्यता महसूस होने लगेगी। पैरो से संबंधित या शरीर के निचले हिस्से से संबंधित रोग भी हो सकते है।
✻ अधिकतर कार्यों में आप झूठ बोलने लग जाएंगे।
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी
जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर

कहार भोई समाज ने खिड़की माता में अच्छी बारिश को लेकर की हवन व महाआरती

मंदसौर, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कहार भोई समाज द्वारा प्राचीन व चमत्कारी खिडकी माता मंदिर पर सबके सुख समृद्धि व अंचल में अच्छी बारिश की कामना को लेकर हवन यज्ञ किया। इस दौरान महिलाओं ने भजन कीर्तन भी किये तथा सब्जी मण्डी व्यापारियों द्वारा प्रसाद का वितरण किया। इस अवसर पर कहार समाज के मनोहर चौहान, राजेश परमार, लक्ष्मण डोडिया पूर्व प्राचार्य, मोहन मलैया, शंकरलाल परमार, बंटी डोडिया, गोविन्द पंथी, मदनलाल चौहान, पवन चौहान, राजू चौहान, इंदरमल चौहान, दिनेश परमार, करण चौहान, पप्पू चुडेलिया, कृष्णा चुडेलिया, राधेश्याम चुडेलिया, देवेन्द्र मोर्य आदि उपस्थित रहे। यह जानकारी गोविन्द कहार ने दी।

महाविद्यालय में दीक्षारंभ दिवस मनाया

पिपलियामंडी, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शासकीय महाविद्यालय में दीक्षारंभ दिवस मनायसा। प्राचार्य आरके श्रीवास्तव ने स्वागत् भाषण दिया। कार्यक्रम संयोजक आरएस कटारा ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को संस्था का परिचय, विजन, मिशन से अवगत कराया। वहीं नव प्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय परिसर का अवलोकन कराकर शैक्षणिक संरचना, एनईपी 2020 के बारे में बताया। प्रोफेसर सचिन कारपेंटर, डीसी बोरीवाल, जेसी पंवार आदि उपस्थित रहे।

अनदेखी से बार बार होता जाम– सहकारी बाजार रोड पर बीच सड़क पर बड़े वाहनों की पार्किंग के कारण कई बार लग जाता है जाम जबकि एक यातायात पुलिस जवान भी तैनात रहता है। उसके बावजूद भी बार–बार जाम लग जाता है। पूर्व में व्यापारी द्वारा सीएम हेल्पाइन शिकायत के बाद की थी वाहन उठाने की कार्यवाही। लेकिन, फिर वही हालात है।

संभागायुक्त उज्जैन संजय गुप्ता ने किया तहसील कार्यालय का निरीक्षण

नीमच, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। संभागायुक्त उज्जैन राजस्व संभाग उज्जैन श्री संजय गुप्ता ने सोमवार को नीमच जिले के भ्रमण के दौरान संयुक्त तहसील तहसील कार्यालय नीमच का आकस्मिक निरीक्षण कर राजस्व प्रकरणों के निराकरण की जानकारी ली उन्होंने राजस्व अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए।

संभाग आयुक्त श्री संजय गुप्ता सोमवार की शाम को नीमच पहुंचे और नीमच की तहसील कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने नवनिर्मित तहसील कार्यालय भवन एसडीएम कार्यालय भवन राजस्व अधिकारियों के न्यायालय कक्षों , का अवलोकन किया औरउपस्थित स्टाफ से चर्चा कर उनके द्वारा संपादित कार्यों की जानकारी ली। इस मौके पर कलेक्टर श्री दिनेश जैन जिला पंचायत सीईओ श्री गुरु प्रसाद डिप्टी कमिश्नर उज्जैन श्री रंजीत कुमार, एसडीएम डॉ. ममता खेडे, अन्य डिप्टी कलेक्टर एवं अधिकारीगण उपस्थित थे। संभाग आयुक्त श्री गुप्ता ने नीमच में नवनिर्मित संयुक्त तहसील कार्यालय भवन में संचालित एसडीएम कार्यालय एवं सभी तहसीलदारों के न्यायालयों, सभा कक्ष, पटवारी कक्ष, कंप्यूटर कब से स्टाफ रूम का अवलोकन कर सभी तहसील न्यायालय एक ही परिसर में संचालित होने की सराहना करते हुए कहा कि यह भवन राजस्व विभाग के साथ ही आम जनों के लिए भी काफी सुविधाजनक है संभाग आयुक्त श्री गुप्ता ने संयुक्त तहसील कार्यालय भवन एवं परिसर के समुचित रखरखाव की भी प्रशंसा की। संभागायुक्त श्री गुप्ता ने तहसील कार्यालय परिसर में पौधारोपण कर एक अच्छा गार्डन विकसित करने के निर्देश भी दिए।

सीएमओ के खिलाफ निंदा प्रस्ताव हेतु अध्यक्ष को ज्ञापन

मंदसौर, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अपने वार्डों में कम नहीं होने से नाराज भाजपा के 20 से अधिक पार्षदों ने नगर पालिका सीएमएओ के खिलाफ निंदा प्रस्ताव के लिए नगर पालिका अध्यक्ष को ज्ञापन सोपा। पार्षदों ने एकजुट होकर संगठन स्तर पर भी इस विषय में चर्चा की है। बता दें की जब से नगर पालिका सीएमओ का पद सुधीर सिंह को मिला हैं। तब से ही नगर पालिका का बाडा बिगडा हुआ है। पहले अध्यक्ष से नाराजगी हुई तो अब सीएमओ के खिलाफ निंदा प्रस्ताव का ज्ञापन लेकर आए।

निपुण लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए कार्य करें- डीपीसी राठौड़

दो दिवसीय एफ एल एन कार्यशाला का समापन

मंदसौर, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। वर्तमान परिस्थिति में शिक्षा का स्वरूप काफ़ी बदल गया है, एवं ज़माने की रफ़्तार से चलने के लिए आवश्यक दक्षताओं को ध्यान में रखते हुए कार्य करने की आवश्यकता है। निपुण भारत अभियान आने वाले समय और बच्चों की सीखने की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए देशभर में चलाया जा रहा है। नींव मज़बूत होने से ही भवन मज़बूत बनता है, इसी प्रकार पूर्व प्राथमिक एवं प्राथमिक कक्षाएँ शिक्षा की नींव है अत: इन्हें मज़बूत करने के लिए निपुण लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए कार्य करना होगा।

यह बात ज़िला परियोजना समन्वयक श्री दिलीप सिंह राठौड ने ज़िला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान, मंदसौर में आयोजित बुनियादी साक्षरता एवं सन्ख्याज्ञान कार्यशाला की समापन पर कही। कार्यशाला में फ़रवरी 2024 में ज़िले में हुए कक्षा 2 व 3 में हुए आकलन के परिणामों की चर्चा हुई जिसमें मंदसौर ज़िले के बेहतर प्रदर्शन वाले क्षेत्रों के साथ ही सुधारात्मक क्षेत्रों को पहचान कर उनके लिए रणनीति तैयार की गई। कार्यशाला के प्रथम दिवस की शुरुआत ज़िला परियोजना समन्वयक श्री राठौर ने की एवं सभी प्रतिभागियों को कार्यशाला के एजेंडा बिंदुओं से अवगत करवाया। तदोपरांत ज़िले के निपुण प्रोफेशनल श्री ईशान शर्मा ने मिशन अंकुर वार्षिक आकलन रिपोर्टसत्र 2023-2024 की समीक्षा की एवं सभी प्रतिभागियों की साझा समझ बनायी गई। साथ ही जिले की सुधारात्मक दक्षताओं की पहचान कर शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया। कार्यशाला के दूसरे दिवस आगामी कार्ययोजना के बिंदुओं पर चर्चा की गई। इनमें विद्यार्थियों की उपस्थिति, विद्यालय में शैक्षणिक सामग्री एवं टीएलएम का उपयोग, ज़िला व ब्लॉक स्तरीय मासिक समीक्षा बैठकों का आयोजन, अकादमिक टास्क फ़ोर्स के सदस्यों द्वारा विद्यालय स्तर पर कक्षा अवलोकन एवं फीडबैक आदि बिंदुओं पर प्रतिभागियों ने विस्तार से चर्चा की एवं विचार साझा किए। कार्यशाला में निपुण प्रोफेशनल, ज़िला प्रोग्रामर, बीआरसी एवं बीएसी एवं डिस्ट्रिक्ट कोर अकादमिक समूह के सदस्यों ने प्रतिभागिता की।

एक पौधा मां के नाम अभियान अंतर्गत व्यापक स्तर पर पौधारोपण करें–आयुक्त गुप्ता

भारत सरकार की योजनाओं की अच्छे से निगरानी करें तथा आम जनता को लाभ प्रदान करें, साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न

मंदसौर, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक कलेक्टर सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान उज्जैन आयुक्त श्री संजय गुप्ता द्वारा कहा गया कि एक पौधा मां के नाम अभियान अंतर्गत जिले में व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया जाए। साथ ही एक पौधा मां के नाम सेल्फी लेकर अपलोड भी करें। इसके लिए वन मंडल अधिकारी लिंक सभी को उपलब्ध कराएं तथा फोटो कैसे अपलोड किया जाएं उसकी प्रक्रिया भी बताएं। पौधा लगाने के पश्चात सेल्फी के साथ उसे रजिस्टर जरूर करें। सेल्फी के साथ में मां को भी रखें। माता के नहीं होने की स्थिति में सेल्फी के दौरान उनका फोटो जरूर साथ में रखें। बैठक के दौरान उज्जैन आयुक्त श्री संजय गुप्ता, कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव, सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, अपर आयुक्त श्री रणजीत कुमार, वन मंडल अधिकारी, सहित सभी जिलाधिकारी मौजूद थे।

आयुक्त श्री गुप्ता द्वारा निर्देश दिए गए की, भारत सरकार की जितनी भी योजनाएं हैं। सभी विभाग उन योजनाओं का अच्छे से निगरानी करें तथा संचालन करें। आम जनता को उन सभी योजनाओं को बहुत अच्छे से लाभ मिलना चाहिए। साथ ही सभी योजनाओं का बेहतर परफॉर्मेंस भी प्रदान करें। सभी विभागों को निर्देश देते हुए कहा कि कार्यों में गुणवत्ता का विशेष तौर पर ध्यान रखें। पीएचई विभाग पाइपलाइन डालते समय गहराई का विशेष तौर पर ध्यान रखें। 3 फीट गहराई में पाइपलाइन डाले। सहकारिता विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि सोसायटियों का कंप्यूटराइजेशन शत प्रतिशत पूर्ण करें। कार्य पूर्ण होने के पश्चात कार्य का ऑडिट भी करें। एमपीईबी विभाग ग्रिड निर्माण, लाइन डालने के कार्य में तेजी के साथ जल्द कार्य पूर्ण करें।

कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा कहा गया कि आगामी 2 जुलाई को जिला स्तरीय जनसुनवाई गरोठ में आयोजित होगी। जनसुनवाई के दौरान जितने भी आवेदन आते हैं। उनका सभी जिलाधिकारी तुरंत समाधान करेंगे। एक पौधा मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधारोपण के लिए सभी विभाग विशेष प्लान तैयार करें तथा अधिक से अधिक पौधारोपण करें। पौधा लगाने के पश्चात पोधे को पानी कैसे मिलेगा, पौधा सरवाइव करेगा या नहीं, पौधे की लंबी उम्र हो, इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। सभी कॉलेज, स्कूल एवं सरकारी भवनों में पौधारोपण किया जाए।

स्वामित्व योजना अंतर्गत शत प्रतिशत कार्य पूर्ण करें-आयुक्त

अविवादित बंटवारा, सीमांकन एवं नामांतरण के प्रकरण एक माह से अधिक समय तक लंबित न रहे, राजस्व अधिकारियों की बैठक संपन्न

मंदसौर, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आयुक्त उज्जैन श्री संजय गुप्ता की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक सुशासन भवन सभागृह में आयोजित की गई। बैठक के दौरान सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि स्वामित्व योजना अंतर्गत मिशन मोड में कार्य करें। सभी अधिकारी कार्य को पूर्ण करने के लिए युद्ध स्तर पर लग जाए। ड्रोन सर्वे में जो गांव छूट गए हैं। उसके लिए एक्सपर्ट पटवारी की एक टीम बनाएं। गांव के सर्वे में कोई भी क्षेत्र न छुटे इसका विशेष तौर पर ध्यान रखा जाए। भौतिक सत्यापन का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण करें। इसके साथ ही इस कार्य में सभी एसडीएम प्रतिदिन निगरानी करें। बैठक के दौरान कलेक्टर दिलीप कुमार यादव, सीईओ जिला पंचायत कुमार सत्यम, अपर आयुक्त रणजीत कुमार, एसडीएम, तहसीलदार मौजूद थे।

विवादित नामांतरण, बटवारा एवं सीमांकन के प्रकरण एक माह से अधिक समय तक लंबित नहीं रहना चाहिए। अब तक जितने भी प्रकरण लंबित है, उनका एक माह के अंदर निराकरण करें। विवादित प्रकरणों का 6 माह में निराकरण करें। आरसीएमएस के अंतर्गत जितने भी प्रकरण है, उनका भी शीघ्र निराकरण करें। आरसीएमएस के प्रकरणों में देरी नहीं की जानी चाहिए। आरसीएमएस के प्रकरणों का निराकरण होने की पश्चात 24 घंटे के अंदर कंप्लेन करवाए। साइबर तहसील स्थापित हो जाने के पश्चात इसके अंतर्गत आने वाले प्रकरणों का 10 दिन के अंदर ही निराकरण होना चाहिए। कोई भी प्रकरण 10 दिन से अधिक समय तक लंबित न रहे। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा आयुक्त श्री संजय गुप्ता को दशपुर जनपद एवं दिव्य दशपुर पुस्तक भेंट की।

पुत्र की शादी है पर नहीं डिगा सेवा का जज्बा

70 वर्षीय पर्वत सिंह का भानजे से करवाया बंसल ने अंतिम संस्कार

मंदसौर, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। समाज सेवी और पार्षद सुनिल बंसल के मन में जनसेवा का ऐसा जज़्बा है कि घर मे पुत्र का विवाह है तमाम व्यस्तता के बाद भी उन्होंने सेवा कार्य नहीं छोड़ा। घर में मांगलिक कार्य होने से अपने हाथ से नहीं तो भानजे के हाथ से निर्धन दिवंगत का अंतिम संस्कार कराया।

श्री बंसल पुत्र के विवाह की तैयारी में लगे थे उसी दौरान जिला अस्पताल की पुलिस चौकी से नासिर भाई का फोन आया कि जिला चिकित्सालय परिसर में रहने वाले पर्वत सिंह 30 वर्षों सें वही निवास करते थे एवं कचरा आदि बीनकर अपना जीवन व्यापन करते थे प्रतिदिन में अपना भोजन लेने सेवा बैक गांधी चौराहा आते थे कल शाम को भी अपना भोजन लेकर गऐ थे। उन्होने श्री बंसल को बतलाया था मेरा आगे पीछे कोई नहीं है मेरा अंतिम संस्कार आपको ही करना है। चूंकि घर में मांगलिक कार्य है इसलिए मैंने तुरंत मेरे भानजे श्री लोकेश गर्ग को बुलाया एवं उसे पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया। लोकेश अंतिम क्रिया का सामान लेकर जिला चिकित्सालय पहुंचे। वहां से दिवंगत पर्वत सिंह के शव को शान और शौकत के साथ शिवना स्थित मुक्तिधाम पर ले जाकर उनका अंतिम संस्कार किया। लोकेश गर्ग ने मुखाग्नि दी इस अवसर पर युवा समाज सेवी मंगलम डोसी व केशव राठोर शव वाहन चालक यशवंत भाई, नगर पालिका भी मौजूद थे।

अजय पहलवान ने इंदौर में जीता सिल्वर मेडल

मंदसौर, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। इंदौर में आयोजित हुई अंडर-17 राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में मंदसौर के पहलवान अजय पिता विष्णु ग्वाला ने सिल्वर मेडल जीता है। नृसिंह घाट रेसलिंग सेंटर के पहलवान अजय ने अपने वजन समूह में शानदार प्रदर्शर करते हुए एक के बाद एक तीन कुश्तियां जीती। इससे पहले भी अजय जिला एवं संभाग स्तर पर भी कई बार मेडल जीत चुके है। उभरते हुए मंदसौर के पहलवान अजय का इंदौर से सिल्वर मेडल जीतकर मंदसौर आगमन पर साथी पहलवानों, कोच, परिवारजनों एवं स्नेहीजनों ने स्वागत सम्मान किया। पहलवान अजय की इस उपलब्धि पर नृसिंह घाट रेसलिंग सेंटर के संचालक दिलीप ग्वाला, एनआईएस कोच रवि अहिर, ग्वाला गवली सामाजिक संस्था के जिलाध्यक्ष अनिल मसानिया, कोच पवन ग्वाला, कुश्ती संघ के विनय दुबेला, मुंशी खां सिंघल, दिनेश हिनवार, देवीलाल रियार, अशोक हिनवार, राहुल सुरा, हंसराज पहलवान, धरमू पहलवान, श्याम बम ग्वाला, भोला ग्वाला, हरीओम सुरा, रवि सुरा, किशोर ग्वाला, अमित हांस आदि ने शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बीए, बीकॉम प्रथम-द्वितीय कम्प्यूटर प्रायोगिक परीक्षा कल

मंदसौर, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर के प्राचार्य डॉ. बी.आर. नलवाया ने जानकारी प्रदान करते हुएँ बताया कि बी.ए./बी.कॉम. प्रथम वर्ष कम्प्यूटर फंडामेंटल (ओपन इलेक्टिव) एवं बी.ए./बी.कॉम. द्वितीय वर्ष प्रोग्रामिंग इन सी (ओपन इलेक्टिव) की प्रायोगिक परीक्षा दिनांक 03.07.2024 को कम्प्यूटर विभाग में आयोजित की गई है। उक्त विषय के विद्यार्थी प्रायोगिक परीक्षा में उपस्थित रहें तथा अधिक जानकारी के लिए कम्प्यूटर विभाग में सम्पर्क करें।

कलेक्टर एवं एसपी ने बंद चौकी का किया निरीक्षण

नीमच, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अंर्तराज्यीय सीमाओं पर संचालित परिवहन जांच चौकियों का संचालन एक जुलाई से बंद कर दिया गया है। इसी के तहत नीमच जिले में राजस्थारन सीमा पर स्थित नयागांव परिवहन जांच चौकी को भी बंद कर दिया गया है। कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं एसपी श्री अंकित जायसवाल ने सोमवार को सुबह अधिकारियों के साथ बंद परिवहन जांच चौकी नयागांव का आकस्मिक निरीक्षण कर जायजा लिया। कलेक्टर एवं एसपी ने निर्देश दिए कि बंद परिवहन जांच चौकी के आसपास कोई भी प्रायवेट व्यक्ति उपस्थित ना रहे। यदि कोई प्रायवेट व्यक्ति उपस्थित पाया जाता है, तो उसको तत्काल हटाये।

कलेक्टर ने निर्देश दिएब कि एक-एक पुलिस एवं राजस्व अधिकारी को बंद परिवहन जांच चौकी पर तैनात करे और यह सुनिश्चित करें, कि वाहनों का बगैर रोक टोक के आवागमन सुनिश्चित हो। निरीक्षणके दौरान परिवहन जांच चौकी पूर्णत: बंद पाई गई। कलेक्टर एवं एसपी ने परिवहन जांच चौकी तक आने जाने वाले मार्ग को अवरूद्ध करने के लिए मुख्य मार्ग पर नाली खोद कर जांच चौकी की तरफ आने और जाने वाले मार्ग को पूरी तरह से तत्काल बंद करवाने के निर्देश दिए। साथ ही बडे-बडे अक्षरों में फ्लेक्स बनाकर नयागांव परिवहन जांच चौकी बंद ह ऐसे फ्लेक्सी मुख्य मार्ग पर बंद जॉच चौकी के दोनो ओर मुख्यं मार्गो पर लगवाने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर एवं एसपी ने आरटीओ से चर्चा कर नये स्टाफ की उपलब्धता, होमगार्ड की आमद एवं रोड सेफ्टी एण्डि इन्फो र्समेंट चेकिंग पाईट की व्यवस्था की जानकारी भी ली। कलेक्टर श्री जैन एवं एसपी श्री जायसवाल ने आरटीओ को निर्देश दिए कि नवीन रोड सेफ्टी एण्ड इन्फो्र्समेंट चेकिंग पाईट व्यवस्था से आमजनों और वाहन चालकों को कोई असुविधा ना हो, इसका विशेष ध्यान रखें। इस मौके पर एडीएम डॉ.राजेश शाह, एसडीओपी सुश्री नीलेश्वरी डाबर, आरटीओ श्री नंदलाल गामड, सहायक संचालक जनसंपर्क श्री जगदीश मालवीय एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चारधाम: इस बार 50 दिन में 30 लाख तीर्थयात्रियों ने किए दर्शन, नया रिकॉर्ड बनाने की तरफ यात्रा

देहरादून, 01 जुलाई। चारधाम यात्रा में इस बार भी तीर्थयात्रियों की संख्या नया रिकॉर्ड बनाने की तरफ आगे बढ रही है। इस बार 50 दिन में 30 लाख तीर्थयात्री चारधामों व हेमकुंड साहिब में दर्शन कर चुके हैं। जबकि पिछले साल 68 दिन में इतने यात्रियों ने दर्शन किए थे। केदारनाथ धाम में दर्शन करने वालों का आंकडा 10 लाख पार हो चुका है। 10 मई से शुरू हुई चारधाम यात्रा में आस्था का सैलाब उमड रहा है। पर्यटन विभाग के आंकडों के अनुसार अब तक 30 लाख श्रद्धालु चारधामों में दर्शन कर चुके हैं। पिछले साल 22 अप्रैल से यात्रा शुरू हुई थी। 30 जून तक यानी 68 दिनों में 30 लाख यात्रियों ने दर्शन किए थे। इस बार 18 दिन पहले 30 लाख ने दर्शन किए।

पंच-ज अभियान अंतर्गत विशेष पौधारोपण सम्पन्न

मंदसौर, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। माननीय मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 72 दिवसीय वृहद वृक्षारोपण अभियान दिनांक 5 जून से 15 अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री कपिल मेहता के मार्गदर्शन में जिला न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में दिनांक 01 जुलाई 2024 को शंकर विहार गोल्ड कॉलोनी में अचलेश्वर मंदिर समिति के सहयोग से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सचिव श्री सिद्धार्थ तिवारी ने सभी कॉलोनी वासियों से कहा कि यह हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है कि हम सब आज रोपित किए गए पौधों को पोषण प्रदान करेंगे। उन्होंने समस्त निवासियों से आग्रह किया कि वे सब एक-एक पौधे को पालने की जिम्मेदारी लेवें। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार, श्री राजेश बंशीलाल गुर्जर, श्री नरेंद्र प्रहलाद बंधवार , पैरा लीगल वालंटियर श्री संजय नीमा, श्री मुकेश आचार्य , श्रीमती सीमा नागर, श्रीमती आशा कोठारी एवम अन्य कॉलोनीवासी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने की हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी परीक्षा परिणामों की समीक्षा

नीमच, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं जिला पंचायत के सीईओ श्री गुरु प्रसाद ने जिले के शासकीय हायर सेकेण्डरी तथा हाई स्कूलो की कक्षा 10वी व 12वी के परीक्षा परिणामों की सोमवार को जिला पंचायत सभा कक्ष में समीक्षा की। कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने शिक्षा सत्र2023 की तुलना में सत्र 2024 का परीक्षा परिणाम कम होने के कारण व इस वर्ष परीक्षा परिणाम उन्नयन के लिए किये जा रहे प्रयासों पर समस्त प्राचार्यों सें वन टू वन चर्चा की। परीक्षा परिणाम विषयवार भी देखा। कलेक्टर ने परीक्षा परिणाम उन्नयन करने के लिए अनेक टिप्स दिये। उन्होने प्रत्येक 15 दिवस में राज्य से निर्धारित पाठ्यक्रम अनुसार जिले से प्रश्न पत्र तैयार करने तथा प्रत्येक विद्यालय में पर्यवेक्षक की उपस्थिति में टेस्ट करवाकर उसका परिणाम तैयार कर समीक्षा करने के निर्देश दिये। अच्छे परीक्षा परिणाम के लिए बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कम रिजल्ट वाले स्कूलों को जिला अधिकारियों तथा विकासखण्ड स्तरीय अधिकारियों को आवंटित करने के निर्देश भी दिये। उन्होने विद्यालय तथा जिले का कक्षा 10वी का परीक्षा परिणाम 80 प्रतिशत व 12वी का 85 प्रतिशत का लक्ष्य निर्धारित करके कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये। जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद ने कहा कि कोई भी बच्चा कमजोर नही होता, प्रत्येक बच्चे पर ध्यान दे। उनकी विषयगत कमजोरी को देखे व दूर करे। उन्होने सभी प्राचार्यों सें अपने-अपने विद्यालय के परीक्षा परिणाम का लक्ष्य निर्धारित कर लक्ष्य प्रर्ति करने के निर्देश दिए।

प्रमुख सचिव खनिज साधन द्वारा वर्षाकाल में रेत खदानों के संचालन पर प्रतिबंधित अवधि में अवैध खनन रोके जाने के दिये निर्देश

मंदसौर, 01 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रमुख सचिव खनिज श्री निकुंज श्रीवास्तव ने समस्त कलेक्टर्स को वर्षाकाल में रेत खदानों के संचालन पर प्रतिबंध अवधि में अवैध खनन रोके जाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि खदानों के पहुँच मार्ग बंद किये जाकर जाँच चौकियों पर सतत् निगरानी की व्यवस्था की जाये। अवैध खनन पाये जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाये।

प्रमुख सचिव श्री श्रीवास्तव ने कहा कि विगत वर्षों में कतिपय ऐसे प्रकरण शासन के संज्ञान में आये हैं, जहाँ ठेकेदारों द्वारा वास्तविक रूप से रेत का परिवहन कर अनुज्ञप्ति में भंडारित करने के स्थान पर पोर्टल से ईटीपी जारी कर आभासी स्टॉक क्रिएट कर मानसून अवधि में स्टॉक की कमी की पूर्ति खदान से उत्पादन करने का प्रयास किया जाता है। प्रमुख सचिव श्री श्रीवास्तव ने बताया कि मानसून अवधि में रेत की आपूर्ति निरंतर रखने के लिये मध्यप्रदेश रेत खनन, परिवहन, भंडारण तथा व्यापार नियम अनुसार रेत भंडारण अनुज्ञप्तियाँ जारी करने का प्रावधान है। मानसून अवधि में मात्र रेत भंडारण ही संचालित रहते हैं। उन्होंने कलेक्टर्स को निर्देश दिये कि जिले में स्वीकृत भंडारण अनुज्ञप्ति स्थलों का ड्रोन के माध्यम से 7 जुलाई, 2024 तक वॉल्यूमेट्रिक एनालिसिस पूर्ण करायें। उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित करें कि भंडारण अनुज्ञप्ति में वास्तविक रूप से भंडारित मात्रा से अधिक मात्रा का निवर्तन न किया जाये।

आवश्यकता है

दैनिक **गुरु एक्सप्रेस**

की प्रिंटिंग यूनिट पर रात्रि के समय 11 से 3 बजे तक काम करने वाले युवक (हेल्पर) की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार (मंदसौर निवासी ही सम्पर्क करें)

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in